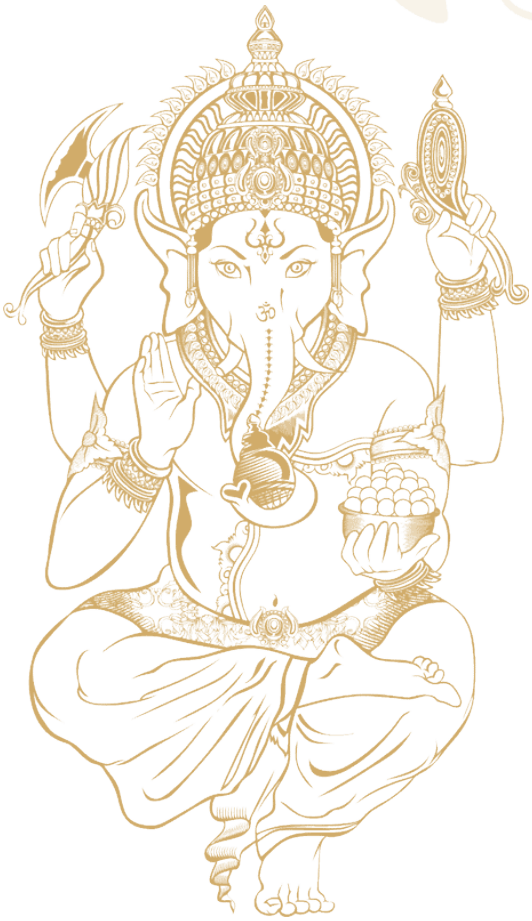

Rohit Kumar Choudhary

12 Oct 1993

12:40 AM

Patna

Model: Varshphal-2017

Order No: 120495101

तिथि 12/10/1993 **समय** 00:40:00 **वार** मंगलवार **स्थान** Patna **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:46:27
अक्षांश 25:37:00 उत्तर **रेखांश** 85:12:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:10:48 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	02:12:19 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:13:28 घं	योनि	मूषक
सूर्योदय	05:45:56 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	17:25:45 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2050	वश्य	वनचर
शक संवत	1915	वर्ग	मूषक
मास	आश्विन	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	अग्नि
तिथि	11	जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
नक्षत्र	मघा	पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
योग	शुभ	होरा	चंद्र
करण	बालव	चौघड़िया	अमृत

विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 5मा 15दि
चन्द्र
28/03/2025
28/03/2035

चन्द्र	26/01/2026
मंगल	27/08/2026
राहु	26/02/2028
गुरु	27/06/2029
शनि	26/01/2031
बुध	27/06/2032
केतु	26/01/2033
शुक्र	27/09/2034
सूर्य	28/03/2035

योगिनी
भद्रिका 3वर्ष 10मा 23दि
भ्रामरी
04/09/2024
04/09/2028

भ्रामरी	14/02/2025
भद्रिका	05/09/2025
उल्का	06/05/2026
सिद्धा	14/02/2027
संकटा	05/01/2028
मंगला	14/02/2028
पिंगला	06/05/2028
धान्या	04/09/2028

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			15:45:33	कर्क	पुष्य	4	शनि	गुरु	---	0:00			
सूर्य			24:42:22	कन्या	चित्रा	1	मंगल	राहु	सम राशि	1.21	अमात्य	पितृ	प्रत्यारि
चंद्र			02:56:10	सिंह	मघा	1	केतु	शुक्र	मित्र राशि	1.31	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल			16:14:44	तुला	स्वाति	3	राहु	शुक्र	सम राशि	1.25	मातृ	भ्रातृ	साधक
बुध			19:26:59	तुला	स्वाति	4	राहु	मंगल	मित्र राशि	1.18	भ्रातृ	ज्ञाति	साधक
गुरु		अ	29:50:21	कन्या	चित्रा	2	मंगल	शनि	शत्रु राशि	0.69	आत्मा	धन	प्रत्यारि
शुक्र			01:00:52	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	राहु	नीच राशि	1.15	ज्ञाति	कलत्र	विपत
शनि	व		00:05:08	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण	1.52	कलत्र	आयु	प्रत्यारि
राहु	व		10:16:03	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	शुक्र	शत्रु राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु	व		10:16:03	वृष	रोहिणी	1	चंद्र	चंद्र	सम राशि		---	मोक्ष	क्षेम

लग्न-चलित

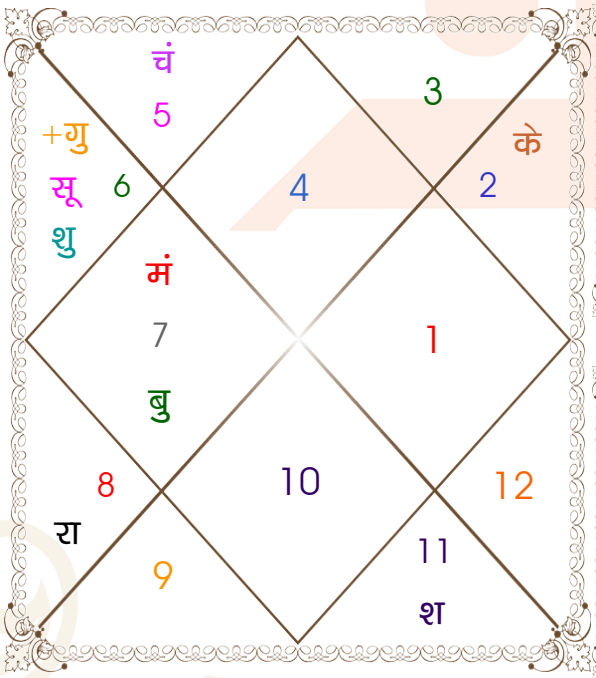

चन्द्र कुंडली

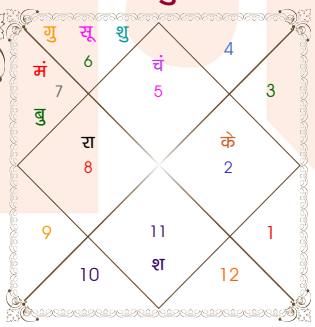

नवमांश कुंडली

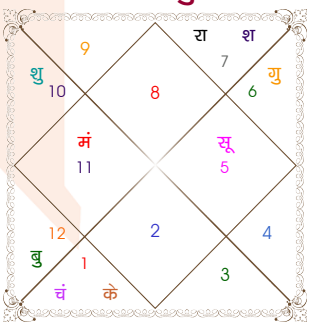

सर्वाष्टकवर्ग

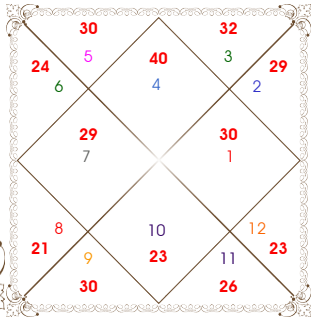

दशमांश कुंडली

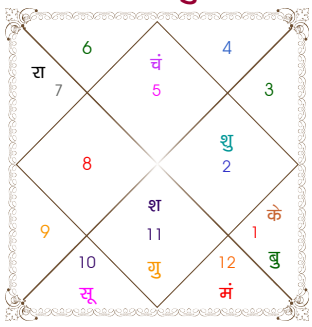

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप कफ तथा शीतादि रोगों से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी अशान्त तथा व्याकुल रहेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपसी सहयोग एवं सुख के भाव में न्यूनता रहेगी तथा यदा कदा संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा जिससे परस्पर कष्ट प्राप्त होगा। इस समय दुष्ट मनष्यों तथा चोर आदि से भी परेशानी होगी तथा घर में किसी चोरी की संभावना बनेगी। अतः आपको ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए। इस समय आपकी पारिवारिक सुख शान्ति भी अच्छी नहीं रहेगी तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से संबंधों में तनाव रहेगा फलतः उनसे विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी तथा दाम्पत्य जीवन भी प्रभावित रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष प्रतिकूल रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी तथा आपके लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे। इसके साथ ही नौकरी या राजनीति में भी कार्य संबधी परेशानी रहेगी तथा पदोन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से भी आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा ये लोग आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसे समय में इनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञा पालन में तत्परता रखें।आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त यात्रा आदि में भी हानि तथा कष्ट की संभावनाएं बनेगी अतः ऐसे समय में यात्रा की उपेक्षा करें। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत ही शान्तिपूर्वक व्यतीत करें तथा समय के बीतने की प्रतीक्षा करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा अस्वस्थता की भी आप अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति भी आपकी इस समय सामान्य रहेगी तथा समय समय पर मन में उद्विग्नता तथा अशान्ति रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा परिवार में तनाव तथा मतभेद का वातावरण रहेगा। इस समय मित्र वर्ग एवं संबंधियों से भी आपको अल्प मात्रा में ही सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही यदा कदा संबंधों में कटुता उत्पन्न होगी परन्तु उसका प्रभाव अल्प रहेगा। संतति पक्ष के लिए वर्ष मध्यम ही रहेगा तथा न्यूनाधिक रूप से उनका सुख एवं सहयोग प्राप्त करते रहेंगे। इस समय आपके विगत रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्पों की पूर्ति परिश्रम पूर्वक ही होगी। साथ ही सुखोपभोग भी मध्यम रहेगा परन्तु वाहन संबंधी सुख की प्राप्ति होने की संभावना रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम एवं संघर्ष से आप सफलता प्राप्त करेंगे।साथ ही लाभमार्गो में यदा कदा परेशानी उत्पन्न होगी। नौकरी या राजनीति संबंधी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता भी आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा इनसे सहयोग एवं लाभ भी अल्प ही मिलेगा। इस समय आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः ऐसे समय में धैर्य एवं शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा समय के व्यतीत होने की प्रतीक्षा करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करते रहेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं असन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आपको विशेष सुख एवं सहयोग अल्प ही मिलेगा तथा इनसे समय समय पर आपको अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे उन्नति के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही लोभ एवं मोह में आपकी अधिक आसक्ति रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा उन्नति के मार्ग में व्यवधान होंगे अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में वरिष्ठ सहयोगी अथवा उच्चाधिकारी वर्ग से सावधान रहें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें ।साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें तथा प्रारंभ भी न करें अन्यथा असफलता ही अधिक मिलेगी। मित्र वर्ग से भी इस समय आप को विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे भी ऐसे समय में शत्रु की तरह की तरह व्यवहार करेंगे।मानसिक रूप से भी आप में दुर्बलता रहेगी तथा किसी प्रकार के बन्धन का भी भय लगा रहेगा।अतः ऐसे समय में आपको अत्यंत ही संयम एवं सावधानी पूर्वक अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता तथा चंचलता का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपके शत्रु न्यूनाधिक मात्रा में समस्याएं उत्पन्न करेंगे तथा आप दृढ़ता पूर्वक इनका सामना करेंगे लेकिन परिश्रम पूर्वक ही विजय प्राप्त हो सकेगी। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय मध्यम रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आपके मानसिक संकल्प एवं आशाएं समयानुसार न्यूनाधिक मात्रा में सफल हो सकेंगी। इसके अतिरिक्त आपको इस वर्ष में वाहन संबधी सुख या लाभ भी अल्प मात्रा में प्राप्त हो सकता है अतः यत्नशील रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा । इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे फलसव्रूप उनसे कोई विशेष लाभ या सहयोग प्राप्त नहीं होगा।इस वर्ष व्यापार में आप परिश्रम पूर्वक अल्प सफलता प्राप्त करेंगे साथ ही उन्नति मार्ग में भी समय समय पर व्यवधान उत्पन्न होंगे।नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति की संभावनाएं बनेंगी परन्तु विरोधी पक्ष के प्रबल होने के कारण इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा रूकावटें आएंगी लेकिन अन्ततोगत्वा सफलता अवश्य मिलेगी। इस वर्ष में सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा अन्य जनों से आपके संबध सामान्य ही रहेंगे अतः वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा लेकिन परिश्रम से आपको न्यूनाधिक सफलताएं प्राप्त हो सकती है।

प्रथम मास
12/10/2025 05:31:17 से 11/11/2025 07:23:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	20:30:13
सूर्य		कन्या	चित्रा	24:42:22
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	01:51:46
मंगल		तुला	स्वाति	19:11:54
बुध		तुला	स्वाति	13:35:49
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:26:18
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:26:31
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:44:29
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:43:31
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:43:31
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	15:45:33

मासाधिपति

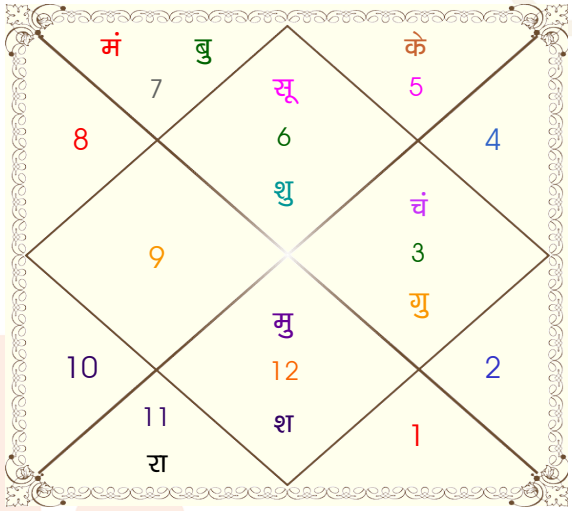

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे।अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

11/11/2025 07:23:12 से 10/12/2025 23:22:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	10:58:59
सूर्य		तुला	विशाखा	24:42:22
चन्द्र		कर्क	पुष्य	10:31:54
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	10:29:01
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	12:31:03
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:55:58
शुक्र		तुला	स्वाति	10:57:39
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:11:48
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:55:50
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:55:50
मुंथा		मीन	रेवती	18:15:33

मासाधिपति

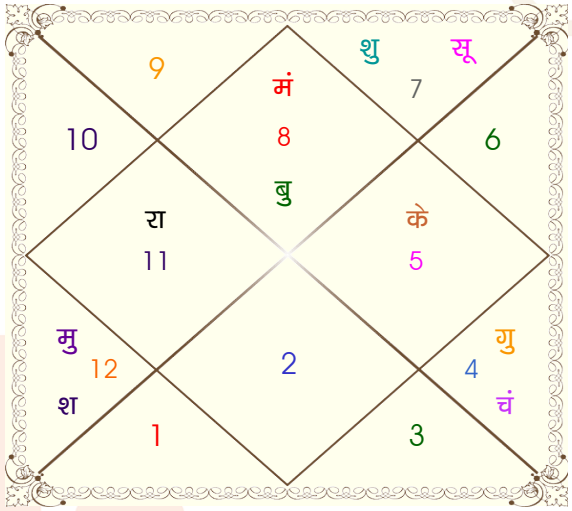

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास
10/12/2025 23:22:39 से 09/01/2026 10:24:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:32:16
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:42:22
चन्द्र		सिंह	मघा	11:31:19
मंगल		धनु	मूल	02:20:32
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	04:20:07
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:33:34
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:14:01
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:04:45
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:51:15
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:51:15
मुंथा		मीन	रेवती	20:45:33

मासाधिपति

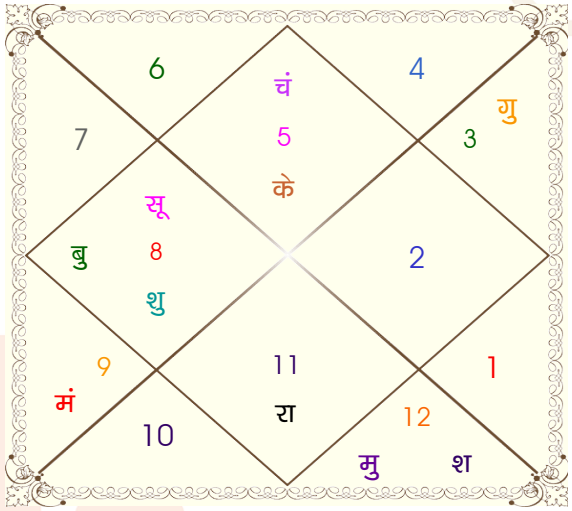

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। अतः शत्रु पक्ष से आप चिन्तित रहेंगे तथा ये आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः चोरों से आपको सावधान रहना चाहिए। इस महीने में आपका अनावश्यक धन का व्यय होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक रूप से कष्ट की अनुभूति करेंगे फलतः आपकी शारीरिक शक्ति का ह्रास होगा। साथ ही इस महीने आप घर से दूर किसी यात्रा पर भी जा सकते हैं। सांसारिक कार्यों में भी आपको कष्ट होगा तथा मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी एसे कार्य को भी आप सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी मान प्रतिष्ठा को आघात पहुचेगा। इस समय अग्नि के द्वारा भी आप किसी प्रकार से हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

चतुर्थ मास

09/01/2026 10:24:53 से 07/02/2026 22:36:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	पू०भाद्रपद	02:34:23
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:42:22
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:18:03
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:46:33
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:08:57
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:02:31
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:18:25
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:28:26
राहु		कुम्भ	शतभिषा	16:05:10
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:05:10
मुंथा		मीन	रेवती	23:15:33

मासाधिपति

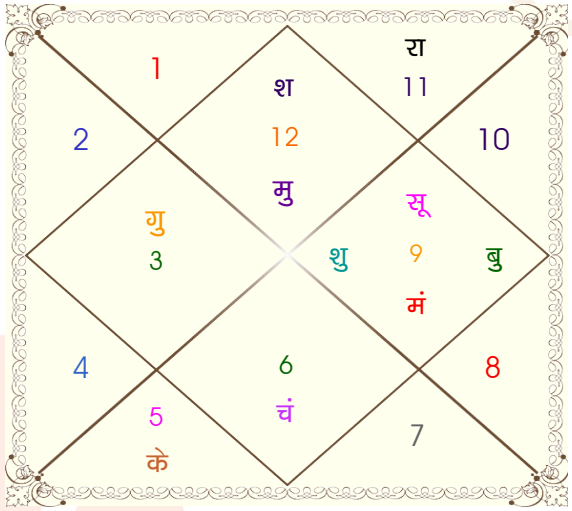

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन से भी आप शान्त एवं सन्तुष्ट रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में अभिवृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे चिन्तित, भयभीत एवं पराजित होंगे। आपके लाभमार्ग इस समय प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति में सुदृढता होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे साथ ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी आप काफी समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे सुख भी प्राप्त करेंगे। सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप पूर्ण समर्थ रहेंगे तथा अपने उच्चाधिकारियों को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी आप सफल रहेंगे जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस मास में धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेंगे तथा समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करके प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

पंचम् मास

07/02/2026 22:36:06 से 09/03/2026 17:46:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	02:17:29
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	24:42:22
चन्द्र		तुला	चित्रा	04:42:20
मंगल		मकर	श्रवण	17:45:56
बुध		कुम्भ	शतभिषा	07:06:44
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:26:16
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	02:22:19
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	05:05:59
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:53:34
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:53:34
मुंथा		मीन	रेवती	25:45:33

मासाधिपति

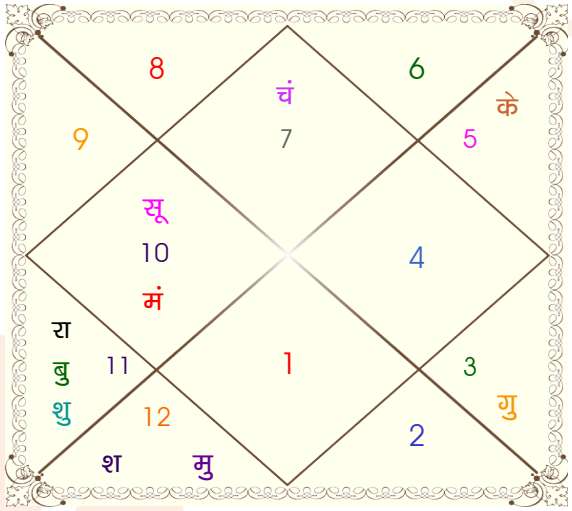

मासाधिपति : शुक्र

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः आप शारीरिक रूप से दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष के प्रबल होने से उनकी तरफ से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे अतः मन में भी अशान्ति रहेगी। आपके घर में इस मास चोरी भी हो सकती है अतः चोरों से सावधान रहें। साथ ही अपने उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे तथा धन का व्यय भी अनावश्यक तथा अधिक होगा।साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा।संबधियों एवं मित्रों से आपके संबधों में तनाव रहेगा एवं समाज से भी आप अपने को उपेक्षित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी ।

साथ ही इस समय आप वातोत्पन्न रोगों से भी पीड़ित रहेंगे। अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त करेंगे अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

षष्ठ मास

09/03/2026 17:46:24 से 09/04/2026 00:04:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:36:50
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:42:22
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	04:07:15
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	11:13:30
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:34:54
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:52:01
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:35:05
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:31:43
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:40:47
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:40:47
मुंथा		मीन	रेवती	28:15:33

मासाधिपति

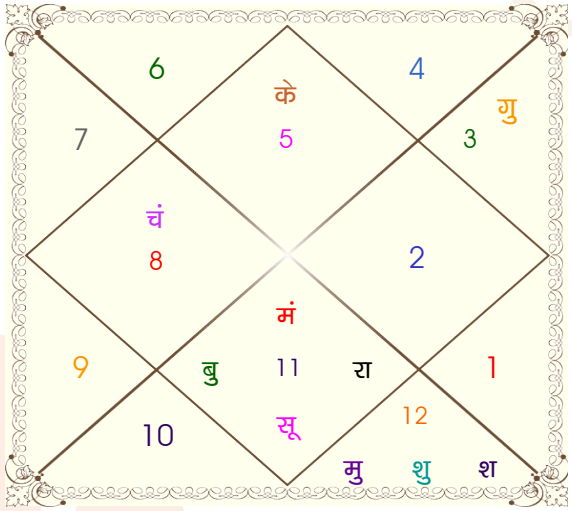

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
09/04/2026 00:04:41 से 09/05/2026 18:50:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:05:46
सूर्य		मीन	रेवती	24:42:22
चन्द्र		धनु	मूल	09:00:02
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	04:57:44
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:28:45
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:08:49
शुक्र		मेष	भरणी	16:58:08
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	12:17:04
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:51:56
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:51:56
मुंथा		मेष	अश्विनी	00:45:33

मासाधिपति

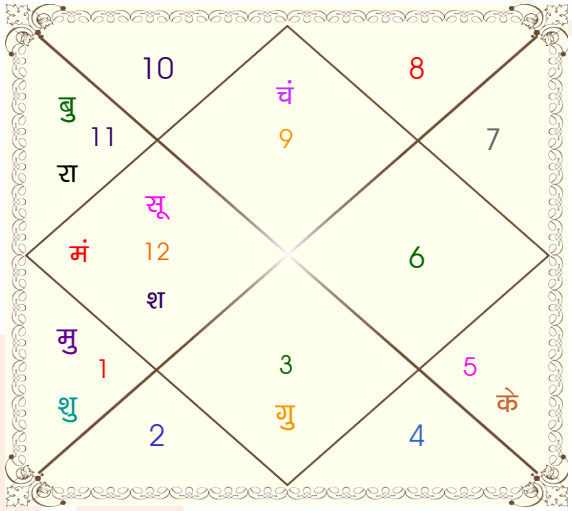

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रदाता रहेगा तथा अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी लाभ अर्जित करेंगे। आपके सामाजिक प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास में आपके महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना भी उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित सहयोग तथा सम्मान भी अर्जित करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त होंगे।

परन्तु शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी एवं आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार की धन हानि को प्राप्त करेंगे। अतः सोच समझकर अपने सभी कार्यों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास

09/05/2026 18:50:01 से 09/06/2026 23:59:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	01:07:56
सूर्य		मेष	भरणी	24:42:22
चन्द्र		मकर	श्रवण	20:58:16
मंगल		मीन	रेवती	28:40:37
बुध		मेष	भरणी	18:45:01
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:57:03
शुक्र		वृष	मृगशिरा	24:23:22
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:51:32
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:37:00
केतु	व	सिंह	मघा	11:37:00
मुंथा		मेष	अश्विनी	03:15:33

मासाधिपति

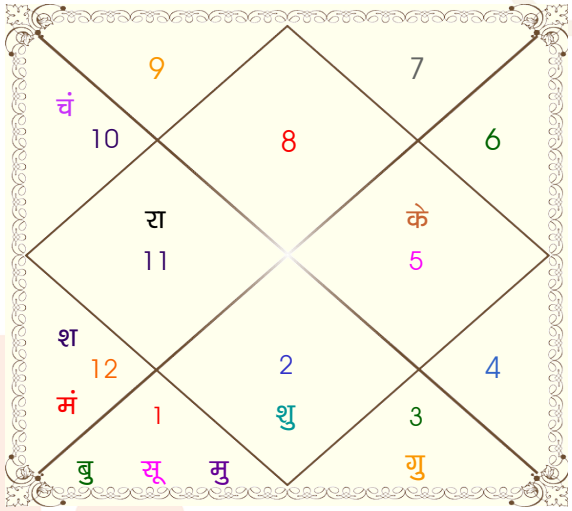

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिये सामान्यतया अशुभ रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आपके धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपको पूर्ण सहयोग रखना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा आप दण्डित भी किए जा सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे एवं धन का व्यय भी अनावश्यक रूप में होता रहेगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप शिथिल हो सकते है। साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आप को बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबधों में भी इस समय तनाव का वातावरण रहेगा तथा समाज से भी आप उपेक्षा प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पितजनित रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा दुर्घटना अदि से भी शरीर में रक्त विकार की संभावना हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस समय अग्नि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
09/06/2026 23:59:06 से 11/07/2026 10:29:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:54:54
सूर्य		वृष	मृगशिरा	24:42:22
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	11:20:26
मंगल		मेष	भरणी	21:59:47
बुध		मिथुन	आर्द्रा	18:09:00
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	01:32:15
शुक्र		कर्क	पुनर्वसु	01:28:36
शनि		मीन	रेवती	18:42:37
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:40:46
केतु	व	सिंह	मघा	08:40:46
मुंथा		मेष	अश्विनी	05:45:33

मासाधिपति

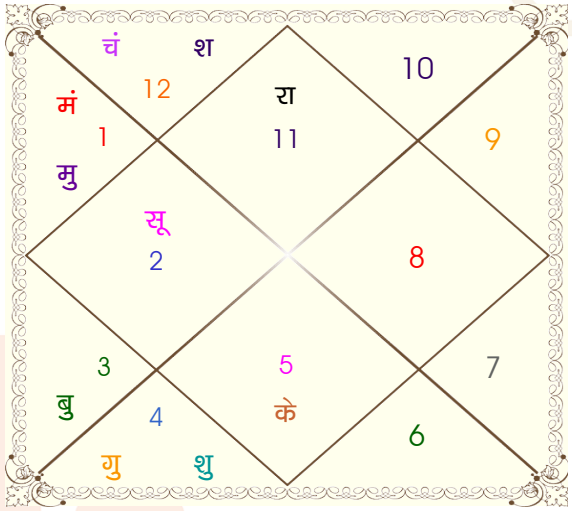

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्य शुभ रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक इनका पूजन तथा आदर करते रहेंगे।साथ ही दूसरे लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपका उचित सहयोग एवं मित्रता रहेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सुख एवं सहयोग आपको प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी आप यदाकदा प्राप्त करेंगे।अतः आप ठंड या वातरोग से पीड़ित हो सकते है तथा आपके द्वारा कोई ऐसा कार्य भी सम्पन्न होगा जिसके लिए आपको पछताना पड़ेगा जिससे समाज में सम्मान में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

दशम् मास
11/07/2026 10:29:32 से 11/08/2026 19:43:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	05:03:26
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	24:42:22
चन्द्र		वृष	कृतिका	09:39:03
मंगल		वृष	रोहिणी	14:31:59
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:39:52
गुरु		कर्क	पुष्य	08:08:33
शुक्र		सिंह	मघा	07:25:16
शनि		मीन	रेवती	20:18:45
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:21:28
केतु	व	सिंह	मघा	06:21:28
मुंथा		मेष	अश्विनी	08:15:33

मासाधिपति

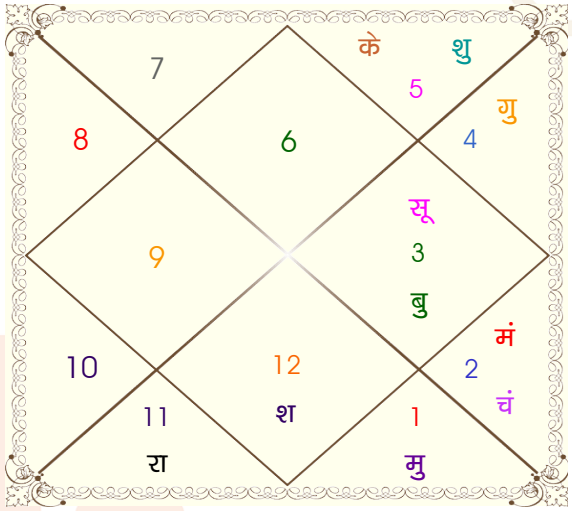

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शत्रुप क्ष प्रबल रहेगा फलतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में भी न्यूनता आएगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी कई प्रकार से व्यवधान आएंगे तथा उनमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी दूर समीप की भी कोई यात्रा हो सकती है। आपके सांसारिक कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन अधिक मात्रा में व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः इस मास को सावधानी तथा संयम पूर्वक व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतःआप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रमपूर्वक सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी नवीन द्रव्य या वस्त्र की भी प्राप्ति करने में भी आप सफल रहेंगे। इस प्रकार मध्यम रूप से आप अपने समय को इस मास में व्यतीत करेंगे।

एकादश मास

11/08/2026 19:43:32 से 11/09/2026 21:26:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:14:40
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	24:42:22
चन्द्र		कर्क	पुष्य	09:11:27
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	05:55:35
बुध		कर्क	पुष्य	08:53:45
गुरु		कर्क	पुष्य	15:04:07
शुक्र		कन्या	हस्त	10:32:38
शनि	व	मीन	रेवती	20:18:28
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:34:13
केतु	व	सिंह	मघा	05:34:13
मुंथा		मेष	अश्विनी	10:45:33

मासाधिपति

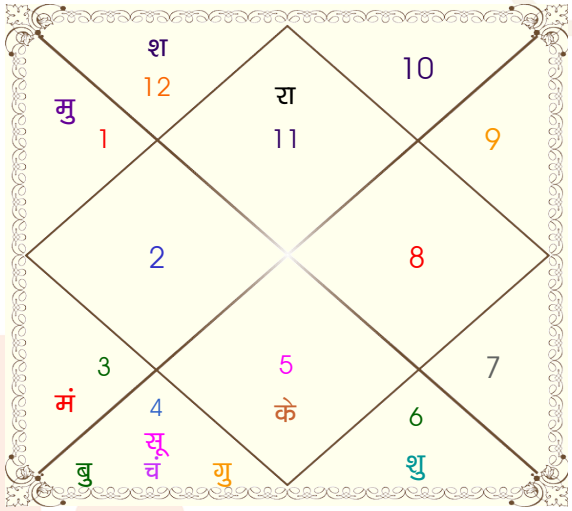

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग भी करेंगे। समाज में आपके यश एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। साथ ही समाज में आप लोगों की भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा तथा अन्य लोग भी आपकी प्रभुता को स्वीकार करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। इसके अलावा इस समय आपकी चिर प्रतीक्षित मनोकामनाएं भी पूर्ण होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त कर सकते है। साथ ही रूधिर विकार का भी भय रहेगा। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें तथा संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को संपन्न करें।

द्वादश मास

11/09/2026 21:26:52 से 12/10/2026 11:38:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	02:56:51
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:42:22
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:18:34
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	25:50:25
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:25:21
गुरु		कर्क	आश्लेषा	21:39:54
शुक्र		तुला	चित्रा	06:37:18
शनि	व	मीन	रेवती	18:47:00
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:47
केतु	व	सिंह	मघा	05:33:47
मुंथा		मेष	अश्विनी	13:15:33

मासाधिपति

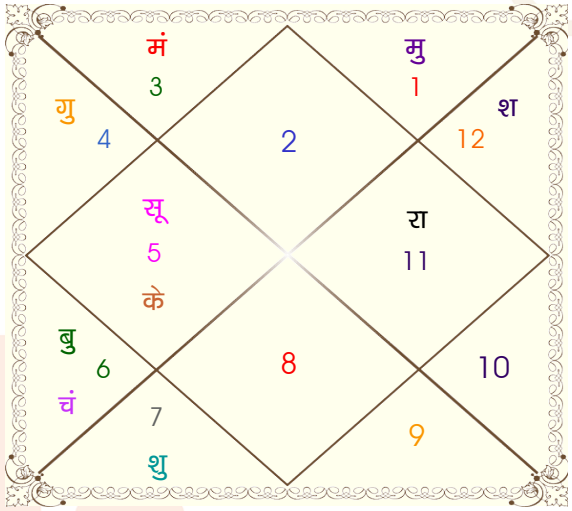

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला सिद्ध होगा इस समय आप अधिक मात्रा में व्यय करेंगे जिससे आप आर्थिक दृष्टि से परेशान होंगे।साथ ही आप दुष्ट मनुष्यों की संगति में भी रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अधिक परिश्रम के द्वारा अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में उपेक्षा का भाव रहेगा।संबधियों तथा मित्रों से भी आपके मधुर सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा इनसे परस्पर मनमुटाव रहेगा। इस समय आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी फलतः मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरक्त शत्रु वर्ग से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप शीत से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी तथा बाद में आप पश्चाताप करेंगे। साथ ही आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः संयम तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।